

# कार्यकारी सारांश

## "आर्डिनरी स्टोन क्वारी"

ग्राम- बड़े कमेली,  
तहसील- दन्तेवाड़ा और जिला- दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा,  
राज्य- छत्तीसगढ़  
(कुल क्लस्टर क्षेत्र – 5.53 हेक्टेयर)

### परियोजना प्रस्तावक

क्र.सं.	परियोजना प्रस्तावक	खसरा क्रमांक	क्षेत्र	उत्पादन वर्ष
1.	मेसर्स विराट मिनरल्स,	157	1.53 हेक्टेयर	86,346 टन/वर्ष
2.	प्रस्तावक: श्री रमेश सुराना	796	4.00 हेक्टेयर	1,85,367 टन/वर्ष

### पर्यावरण सलाहकार



**कॉग्निजेंस रिसर्च इंडिया प्राइवेट लिमिटेड**  
सूट नंबर-बी02, एच-61, सेक्टर-63, नोएडा-201301 (यूपी)  
संपर्क करें: +91-9910047760, +91-9958486431



कॉग्निजेंस रिसर्च इंडिया प्राइवेट लिमिटेड  
NABET-QCI मान्यता प्राप्त सलाहकार



## 1.0 परियोजना और प्रस्तावक का परिचय

पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) एक निर्णय लेने वाला साधन है, जो निर्णय लेने से पहले किसी परियोजना के पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक प्रभावों की सीमा की पहचान करता है। ईआईए व्यवस्थित रूप से पर्यावरणीय मापदंडों की मौजूदा स्थितियों के ऊपर प्रस्तावित परियोजना के लाभकारी और प्रतिकूल दोनों प्रभावों की जांच करता है और यह सुनिश्चित करता है।

### परियोजना की मुख्य विशेषताएं

#### (क) बड़े कमेली आर्डिनरी स्टोन क्वारी (ए-1)''

परियोजना का नाम	बड़े कमेली आर्डिनरी स्टोन क्वारी (ए-1)
खनन परियोजना का स्थान	खसरा क्रमांक 796, ग्राम- बड़े कमेली, तहसील- दन्तेवाड़ा और जिला- दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, राज्य- छत्तीसगढ़
परियोजना प्रस्तावक का नाम	(क) मेसर्स विराट मिनरल्स, प्रस्तावक: श्री रमेश सुराना निवासी – सुरानापारा, गीदम, जिला-दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ.ग.) 494441
क्षेत्रफल	4.00 हेक्टेयर
परियोजना की श्रेणी	"बी 1"
खनिज	आर्डिनरी स्टोन
ऑनलाइन प्रस्ताव सं.	SIA/CG/MIN/457360/2024
डी.ई.आई.ए.ए. पर्यावरण मंजूरी पत्र	1042/ डी.ई.आई.ए.ए./EC/2016 Dated 07/12/2016
पट्टा विलेख	09-4/खनिज/उप्र/2021-22 दिनांक 09/04/2021, 30 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत है।
टी.ओ.आर	936/एस.ई.ए.सी., छग / माईन / 2999 दिनांक 22/08/2024

#### (ख) बड़े कमेली आर्डिनरी स्टोन क्वारी (ए-2)''

परियोजना का नाम	बड़े कमेली आर्डिनरी स्टोन क्वारी (ए-2)
खनन परियोजना का स्थान	खसरा क्रमांक 571, ग्राम- बड़े कमेली, तहसील- दन्तेवाड़ा और जिला- दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, राज्य- छत्तीसगढ़
परियोजना प्रस्तावक का नाम	(ख) मेसर्स विराट मिनरल्स, प्रस्तावक: श्री रमेश सुराना निवासी – सुरानापारा, गीदम, जिला-दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ.ग.) 494441



क्षेत्रफल	1.53 हेक्टेयर
परियोजना की श्रेणी	"बी 1"
खनिज	आर्डिनरी स्टोन
ऑनलाइन प्रस्ताव सं.	SIA/CG/MIN/457360/2024
डी.ई.आई.ए.ए. पर्यावरण मंजूरी पत्र	1040/ डी.ई.आई.ए.ए./EC/2016 Dated 07/12/2016
पट्टा विलेख	09-3/खनिज/उप्र/2021-22 दिनांक 09/04/2021, 30 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत है।
टी.ओ.आर	938/एस.ई.ए.सी., छग / माईन / 2999 दिनांक 22/08/2024

ईआईए-ईएमपी रिपोर्ट 14 सितंबर 2006 की ईआईए अधिसूचना के तहत दिए गए टीओआर के अनुसार तैयार की गई है। प्रस्तावित खनन के कारण पर्यावरण पर प्रभाव का आकलन करने के लिए, एनजीटी आदेश दिनांक 13-09-2018 और एमओईएफ और सीसी ओएम संख्या एल-11011/175/2018-आईए-द्वितीय (एम) दिनांक 12-12-2018 के अनुसार परियोजना "बी 1" श्रेणी के अंतर्गत आती है क्योंकि क्षेत्र 5 हेक्टेयर से अधिक है।

### 1.1 स्थान

#### स्तंभ निर्देशांक

#### (ग) बड़े कमेली आर्डिनरी स्टोन क्वारी (ए-1)"

स्तंभ	अक्षांश	देशान्तर
1	18°46'00.97"N	81°17'48.26"E
2	18°45'59.53"N	81°17'52.33"E
3	18°45'51.82"N	81°17'52.28"E
4	18° 45'51.41"N	81°17'47.76"E
5	18° 45'55.64"N	81°17'46.08"E
6	18° 45'57.94"N	81°17'45.55"E

#### (घ) बड़े कमेली आर्डिनरी स्टोन क्वारी (ए-2)"

स्तंभ	अक्षांश	देशान्तर
1	18°45'44.85"N	81°17'34.14"E
2	18°45'43.98"N	81°17'37.97"E
3	18°45'42.31"N	81°17'38.07"E
4	18° 45'42.38"N	81°17'36.79"E
5	18° 45'40.83"N	81°17'37.30"E
6	18° 45'40.42"N	81°17'34.81"E



7	18°45'41.95"N	81°17'32.79"E
---	---------------	---------------

## 1.2 भूवैज्ञानिक रिजर्व का सारांश

रिजर्व	खदान ए-1 4.00 हेक्टेयर	खदान ए-2 1.53 हेक्टेयर
गहराई	26 मी	18 मी
भूवैज्ञानिक संसाधन	1262014 टन	789464 टन
7.5 मीटर बैरियर जोन में ब्लॉकेज रिजर्व	194116 टन	176527 टन
बेंचों में रुकावट का भंडार	210808 टन	211588 टन
कुल रुकावट भंडार	404924 टन	388115 टन
खनन योग्य भंडार	<b>857090 टन</b>	<b>401349 टन</b>

## 1.3 खनन प्रक्रिया

- खनन की मौजूदा विधि-

वर्तमान में स्वीकृत खनन पट्टा क्षेत्र में कोई भी खनन गतिविधि नहीं चल रही है। परियोजना को पर्यावरण मंजूरी मिलने के बाद खनन गतिविधियां शुरू की जाएंगी। इसलिए, खनन की प्रस्तावित विधि के अंतर्गत खनन की विधि की चर्चा नीचे दी गई है।

- खनन की प्रस्तावित विधि-

यह उत्पादन योजना 5 वर्ष के लिए बनाई गई है, लीज 18.02.2034 तक वैध है। उत्खनन की ओपन कास्ट विधि अर्ध यंत्रिकृत विधि द्वारा की जाती है। पट्टा क्षेत्र में कोई ऊपरी मिट्टी मौजूद नहीं है। गड्ढे में काम करने के दौरान गड्ढे का ढलान 45 बनाए रखा जाएगा। प्रत्येक बेंच की ऊंचाई 3.0 मीटर विकसित की जाएगी। उत्खनन की विधि ड्रिलिंग के लिए जैक हैमर, लोडिंग और परिवहन के लिए उत्खनन/फावड़ा-डम्पर संयोजन का उपयोग करके ओपन-कास्ट विधि है। खनन की गई ROM को फावड़ा/डम्पर संयोजन द्वारा परिवहन किए जाने वाले लोड करने योग्य आकार में कम कर दिया जाएगा। ग्रेडेड स्टोन की रिकवरी को 95% ROM के रूप में लिया गया है।

### खनन योजना अवधि में प्रस्तावित उत्पादन - 05 वर्ष

वर्ष	आर्डिनरी स्टोन की कुल मात्रा (टन)	
	खदान ए-1 (4.00 हेक्टेयर)	खदान ए-2 (1.53 हेक्टेयर)
प्रथम वर्ष	169923	83525
दूसरा साल	169533	82797



तीसरा साल	185367	82407
चौथे वर्ष	157482	86346
पांचवा वर्ष	174759	66261
कुल	857064 टन	401336 टन

## 1.2 आधारभूत जानकारी

इस खंड में ग्राम- बड़े कमेली, तहसील-दन्तेवाड़ा एवं जिला-दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, राज्य- छत्तीसगढ़, के आसपास के 10 किमी के दायरे के आधारभूत अध्ययन का विवरण शामिल है। एकत्र किए गए डेटा का उपयोग प्रस्तावित खनन परियोजना के आसपास के मौजूदा पर्यावरण परिदृश्य को समझने के लिए किया गया है जिसके विरुद्ध परियोजना के संभावित प्रभावों का आकलन किया जा सकता है।

निम्नलिखित के लिए प्रस्तावित खनन के संबंध में पर्यावरणीय जानकारी एकत्र कि गई है:-

(ए) वायु

(बी) शोर

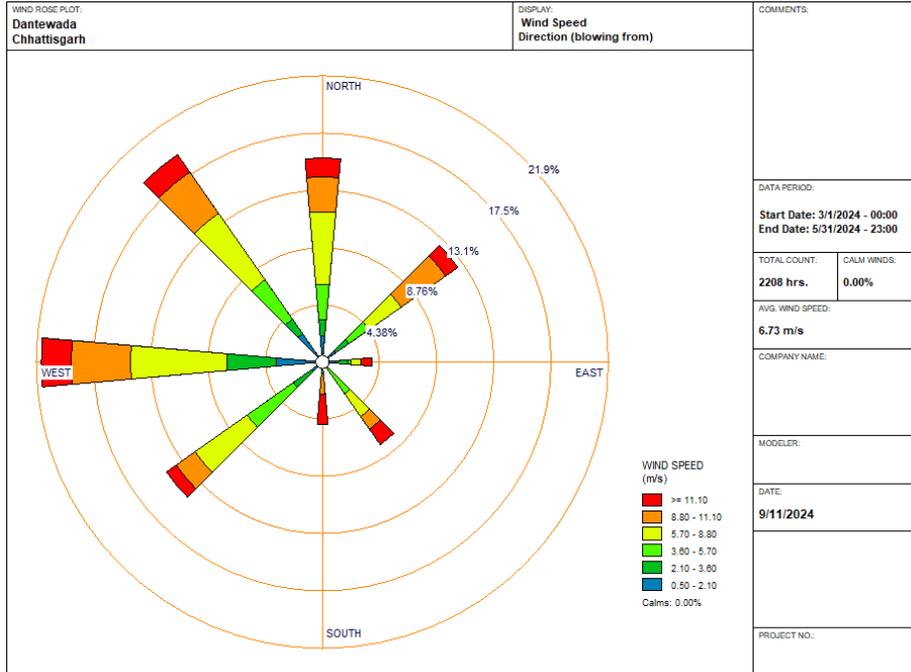
(सी) पानी

(डी) मिट्टी

(ई) पारिस्थितिकी और जैव विविधता

(च) सामाजिक-अर्थव्यवस्था

**निगरानी अवधि - 1 मार्च 2024 से 31 मई 2024 तक**



कॉग्निजेंस रिसर्च इंडिया प्राइवेट लिमिटेड  
NABET-QCI मान्यता प्राप्त सलाहकार



### आधारभूत पर्यावरणीय स्थिति

गुण	आधारभूत स्थिति
<b>परिवेशी वायु गुणवत्ता</b>	<p>मार्च 2024 से मई 2024 तक ग्री मानसून के मौसम के दौरान आठ स्थानों पर परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी (AAQM) की गई है।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● अध्ययन क्षेत्र के भीतर दर्ज किए गए PM2.5 का न्यूनतम और अधिकतम स्तर 25.12<math>\mu\text{g}/\text{m}^3</math> से 49.5<math>\mu\text{g}/\text{m}^3</math> की सीमा में था,</li> <li>● PM10 का न्यूनतम और अधिकतम स्तर 59.70 <math>\mu\text{g}/\text{m}^3</math> से 93.20 <math>\mu\text{g}/\text{m}^3</math> की सीमा में था,</li> <li>● अध्ययन क्षेत्र के भीतर दर्ज की गई SO2 की न्यूनतम और अधिकतम स्तर 4.12 <math>\mu\text{g}/\text{m}^3</math> से 13.56 <math>\mu\text{g}/\text{m}^3</math> की सीमा में था, तथा</li> <li>● NO2 का न्यूनतम और अधिकतम स्तर 6.14 <math>\mu\text{g}/\text{m}^3</math> से 16.54 <math>\mu\text{g}/\text{m}^3</math> की सीमा में था,</li> </ul>
<b>शोर का स्तर</b>	<p>4 स्थानों पर ध्वनि अनुश्रवण किया गया। निगरानी कार्यक्रम के परिणामों ने संकेत दिया कि निगरानी किए गए सभी चार स्थानों पर शोर, दिन और रात दोनों समय एनएएक्यूएस की निर्धारित सीमा के भीतर थे।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• शोर की निगरानी से पता चलता है कि दिन के समय अधिकतम और न्यूनतम शोर स्तर 56.7 डीबी (ए) से 51.3 डीबी (ए) के रूप में दर्ज किया गया था।</li> <li>• रात के समय अधिकतम एवं न्यूनतम शोर स्तर क्रमशः 43.9dB (A) से 36.4 पाया गया।</li> </ul>
<b>पानी की गुणवत्ता</b>	<p>भूजल नमूनों और सतही पानी के नमूनों का विश्लेषण किया गया और निष्कर्ष निकाला गया कि: अध्ययन क्षेत्र में भूजल के विश्लेषण परिणामों से निम्नलिखित पता चलता है: -</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• पीएच 7.43 से 7.93 के बीच होता है।</li> <li>• कुल कठोरता 338 से 362 मिलीग्राम/लीटर तक होती है।</li> <li>• कुल घुले हुए ठोस पदार्थ 559 मिलीग्राम/लीटर से 694 मिलीग्राम/लीटर तक होते हैं।</li> </ul> <p>सभी स्रोतों से भूजल पीने के उद्देश्यों के लिए उपयुक्त रहता है क्योंकि सभी घटक भारतीय मानक IS: 10500-2012 द्वारा प्रख्यापित पेयजल मानकों द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर हैं।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• विश्लेषण के नतीजे बताते हैं कि पीएच 7.49 और 7.66 के बीच है।</li> <li>• घुली हुई ऑक्सीजन (DO) 6.3 से 7.8 मिलीग्राम/लीटर की सीमा में देखी गई।</li> <li>• BOD मान 2.4-6.9 मिलीग्राम/लीटर की सीमा में पाया गया।</li> <li>• क्लोराइड 24-41 मिलीग्राम/लीटर की सीमा में पाए गए।</li> <li>• सल्फेट्स क्रमशः 17-35 मिलीग्राम/लीटर की सीमा में पाए गए।</li> <li>• 5000 एमपीएन/100 मिली की सीमा के मुकाबले 562 एमपीएन/100 मिली से 1548 एमपीएन/100 मिली की सीमा में कुल कोलीफॉर्म की उपस्थिति।</li> </ul>



	सतही जल विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि नमूनों के अधिकांश पैरामीटर सीपीसीबी के 'श्रेणी बी' मानकों का अनुपालन करते हैं। कीटाणुशोधन के बाद पारंपरिक उपचार के साथ पेयजल स्रोत।
<b>मिट्टी की गुणवत्ता</b>	पहचाने गए स्थानों से एकत्र किए गए नमूने इंगित करते हैं कि मिट्टी रेतीली प्रकार की है और पीएच मान से लेकर है 7.11 से 7.69 जिससे पता चलता है कि मिट्टी की प्रकृति क्षारीय है। जल धारण क्षमता 24.9% से 29.8% के बीच पाई जाती है।

### 1.3 वायु पर्यावरण

प्रस्तावित आर्डिनरी स्टोन खदान जहां सल्फर डाइऑक्साइड (SO<sub>2</sub>), नाइट्रोजन के ऑक्साइड (NO<sub>x</sub>) का उत्सर्जन वाहनों की आवाजाही से होता है, वहां PUC प्रमाणपत्र वाले वाहनों को ही संचालित किया जाएगा। अस्थायी धूल और कण प्रमुख प्रदूषक हैं जो खनन गतिविधियों से उत्पन्न होंगे। ट्रकों और टिपरों का अच्छी तरह से रख-रखाव किया जाता है ताकि निकास धुआं हानिकारक गैसों और बिना जले हाइड्रोकार्बन के असामान्य मूल्यों में योगदान न दे।

#### उत्सर्जन का नियंत्रण

- व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) जैसे डस्ट मास्क, ईयर प्लग आदि का खान श्रमिकों द्वारा उपयोग।
- सभी नियमों का पालन करते हुए मानक के अनुरूप ब्लास्टिंग की जाएगी।
- हॉल रोड और लोडिंग पॉइंट्स पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जाएगा।
- पट्टा सीमा, सड़कों, डंप आदि के आसपास हरित पट्टी/पौधारोपण का विकास।
- परिवेशी वायु की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी नियमित आधार पर आयोजित की जाएगी।

#### गैस प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण

- खनन गतिविधियों में, ट्रकों की आवाजाही के माध्यम से गैस उत्सर्जन होगा।
- वाहनों के उचित रखरखाव से दहन प्रक्रिया में सुधार होता है और प्रदूषण में कमी आती है। ईंधन और तेल के अच्छे रखरखाव और निगरानी से गैस उत्सर्जन में महत्वपूर्ण वृद्धि नहीं होगी।
- उपयोग किए जाने वाले सभी वाहनों के पास पीयूसी प्रमाणपत्र होगा।
- खनिज ले जाने वाले वाहनों को तिरपाल शीट से ढका जाएगा। इससे धूल के उत्सर्जन पर रोक लगेगी।

### 1.4 जल पर्यावरण

जल निकाय में क्षति, उसकी आत्मसात करने की क्षमता पर निर्भर करती है। आर्डिनरी स्टोन के खनन से पानी की गुणवत्ता और मापदंडों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ता है क्योंकि खनन भूजल स्तर के साथ अवरोधन नहीं करता है। इस परियोजना में किसी धारा को मोड़ने या काट-छाँट करने का प्रस्ताव नहीं है। नदी से पानी की पम्पिंग के लिए कोई प्रस्ताव पारित नहीं किया गया है। इस परियोजना से सतही जल विज्ञान और भूजल व्यवस्था पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। मानसून के समय खदान में एकत्रित पानी को पंप की मदद से निकाला जाएगा और टैंकों की मदद से पास के जल निकाय में डाला जाएगा। इस प्रकार खनन कार्य से नदी के पानी, भूजल तथा अन्य किसी भी निकटतम जलास्य के पानी को कोई क्षति नहीं होगी।



## (ए) जल संसाधन और सतही जल संसाधनों पर प्रभाव:

प्रस्तावित परियोजना के मद्देनजर क्षेत्र की स्थलाकृति में बड़े पैमाने पर बदलाव नहीं किया जाएगा। कोई सतही जल निकाय मौजूद नहीं है और न ही पट्टा क्षेत्र से होकर गुजरता है। खनन गतिविधि अवधि के दौरान, वर्षा जल के साथ ताजी विक्षुब्ध सामग्री के मिलने की संभावना है। इस तरह के आयोजनों से निपटने के लिए बैकफिल्ड गड्ढों के साथ-साथ मिट्टी और इंटर-बर्डन डंप के साथ रिटेनिंग वॉल का निर्माण किया जाएगा। बारिश शुरू होने से पहले सभी खनन गड्ढों को भर दिया जाएगा ताकि खनन गड्ढों में बारिश का पानी जमा न हो। बारिश के पानी को ढलानों के साथ प्रवाहित किया जाएगा ताकि यह प्राकृतिक धाराओं में निलंबन ना हो पाए।

## पानी की आवश्यकता

क्लस्टर के मामले में, दोनों खदान क्षेत्रों के लिए कुल पानी की आवश्यकता 13.9 KLD या लगभग 14.0 KLD है

## 1.5 ध्वनि पर्यावरण

### प्रत्याशित प्रभाव और मूल्यांकन

खदान में उत्पन्न शोर अर्ध-मशीनीकृत खनन कार्यों, मशीनीकृत लोडिंग और ट्रक परिवहन गतिविधियों के कारण होता है। खनन गतिविधि से उत्पन्न शोर खान के भीतर समाप्त हो जाता है। हालांकि, उपरोक्त शोर स्तरों का स्पष्ट प्रभाव केवल सक्रिय कार्य क्षेत्र के पास ही महसूस किया जाता है।

गाँवों पर शोर का प्रभाव नगण्य है क्योंकि गाँव खदानों से बहुत दूर स्थित हैं। चूँकि मशीनरी का कोई उपयोग नहीं है, शोर के स्तर का प्रभाव न्यूनतम होगा।

### (a) शोर में कमी और नियंत्रण

इस खदान में शोर का स्तर सहनीय सीमा (70 डीबी (ए)) तक होगा और शोर के स्तर को कम किया जा सकता है:

- नियमित अंतराल पर परिवहन वाहनों का उचित रखरखाव, ऑयलिंग और ग्रीसिंग
- सभी डीजल इंजनों में पर्याप्त साइलेंसर उपलब्ध कराए जाएंगे।
- शोर के प्रसार को कम करने के लिए कार्यालय भवन और खदान क्षेत्र के आसपास, सड़कों के किनारे पर वृक्षारोपण किया जाएगा।
- व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) जैसे ईयरमप्स/ईयरप्लग खनन क्षेत्र में काम करने वाले सभी ऑपरेटरों और कर्मचारियों को प्रदान किए जाएंगे।
- समय-समय पर ध्वनि स्तर की निगरानी की जाएगी

### (b) यातायात परिदृश्य

उपरोक्त विश्लेषण से यह देखा जा सकता है कि गांव की सड़क के संबंध में दोनों खदानों के लिए वी/सी अनुपात 0.044 से 0.194 तक बदलने की संभावना है, जिसमें एलओएस समान "ए" है, जो बताए गए वर्गीकरण एलओएस



के अनुसार उत्कृष्ट है और एमडीआर के लिए भी वी/सी अनुपात 0.0591 से 0.1091 तक बदलने की संभावना है, जिसमें एलओएस समान "ए" है जो बताए गए वर्गीकरण एलओएस के अनुसार उत्कृष्ट है। उत्खनित खनिजों को सीधे ट्रकों में लादकर संबंधित बाजार तक पहुंचाया जाएगा।

### 1.6 पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी) (EMP)

पर्यावरण प्रबंधन योजना के लिए आवंटित बजट (पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण प्रबंधन पर व्यय)					
क्र.सं.	विवरण	खदान ए-1 (4.00 हेक्टेयर)		खदान ए-2 (1.53 हेक्टेयर)	
		पूंजी लागत (₹.)	आवर्ती लागत (₹.)	पूंजी लागत (₹.)	आवर्ती लागत (₹.)
1.	परिवहन सड़क और परिवहन सड़क दोनों पर टैंकर छिड़काव प्रणाली के माध्यम से पानी का छिड़काव।	-	2,06,250	-	2,06,250
2.	पानी की आवश्यकता-5.0 केएलडी, पानी की लागत (@0.15 पैसा/लीटर) 275 कार्य दिवस मानते हुए				
3.	सड़क का रखरखाव, स्पीड ब्रेकर, साइन बोर्ड, रिफ्लेक्टर, टी-प्वाइंट आदि का विकास (लंबाई में 500 मीटर × चौड़ाई में 5 मीटर)	75,000	7,500	75,000	7500
4.	चारागाह भूमि विकास	30,000	10,000	30,000	10,000
5.	वृक्षारोपण और वृक्षारोपण के बाद की देखभाल (प्रति पौधा 500 रूपये लागत)	4,00,000	46,000	2,75,000	46,000
6.	वर्ष में दो बार निगरानी (वायु, जल एवं शोर वर्ष में दो बार)	-	1,00,000	-	1,00,000
7.	तार की बाड़	1,66,200	10,000	1,02,400	10,000
<b>श्रमिक कल्याण</b>					
8.	व्यावसायिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण	-	23,000	-	23,000
9.	प्राथमिक चिकित्सा किट, किटों की संख्या 4	20,000	5000	20,000	5000
10.	अग्नि सुरक्षा (1 नग) @ 30000	20,000	2000	20,000	2000



ठोस अपशिष्ट प्रबंधन					
11.	दो कूड़ेदान एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली का विकास	10,000		10,000	-
12.	वाहन रखरखाव और पीयूसी प्रमाणीकरण	-	25,000	-	25,000
13.	साइनेज और सावधानी बोर्ड	5,000	1000	5,000	1,000
	<b>कुल पर्यावरण संरक्षण और प्रबंधन लागत</b>	<b>रु. 7,36,200/-</b>	<b>रु 4,35,750 /-</b>	<b>5,37,400</b>	<b>4,35,750</b>
	<b>परियोजना लागत</b>	<b>45,00,000/-</b>		<b>30,00,000/-</b>	
	<b>कुल पूंजी लागत (खदान A1+A2)</b>	<b>रु 12,73,600/-</b>			
	<b>कुल आवर्ती लागत (खदान A1+A2)</b>	<b>रु 8,92,500/-</b>			
	<b>सीईआर की कुल लागत (प्रोजेक्ट A1 + A2 का 2%)</b>	<b>60,000 + 90,000 = रु 1,50,000/-</b>			

### 1.7 खनन के लाभ

#### ➤ भौतिक लाभ

खनन गतिविधियों के शुरू होने के बाद नागरिकों को विभिन्न सुविधाओं का लाभ मिलेगा। सामुदायिक आवश्यकताओं की बुनियाद को अच्छे अस्पताल/स्वास्थ्य देखभाल, टाउनशिप में विकसित शैक्षिक सुविधाएँ, गांवों में पेयजल की उपलब्धता, क्षेत्र में मौजूदा सड़कों के निर्माण/मजबूतीकरण द्वारा मजबूत किया जाएगा। प्रस्तावक या तो क्षेत्र में सुविधाएं प्रदान करके या सुधार करके उपरोक्त सुविधाओं की शुरुआत करेगा, जिससे स्थानीय समुदायों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में मदद मिलेगी। खदान में प्राथमिक चिकित्सा सुविधा के रूप में चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। ये चिकित्सा सुविधाएं आपात स्थिति में आसपास के स्थानीय लोगों को भी उपलब्ध होंगी।

#### ➤ सामाजिक लाभ

- रोजगार सृजन और जीवन स्तर में सुधार;
- रॉयल्टी, करों और शुल्कों के माध्यम से राज्य के राजस्व में वृद्धि; और
- सुपीरियर संचार और परिवहन सुविधाएं आदि।
- क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण परिवर्तन होगा।
- प्रस्तावित परियोजना से रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। प्रस्तावित परियोजना हेतु अकुशल एवं अर्द्धकुशल श्रमिकों की भर्ती निकटवर्ती ग्रामों से की जायेगी।
- बुनियादी सुविधाओं का विकास जैसे। सड़के, परिवहन, बिजली, पेयजल, उचित स्वच्छता, शैक्षणिक



संस्थानों, चिकित्सा सुविधाओं, मनोरंजन आदि का यथासंभव विकास किया जाएगा।

- कुल मिलाकर, प्रस्तावित परियोजना से लोगों के जीवन स्तर में बदलाव आएगा और क्षेत्र की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

### पर्यावरणीय लाभ

#### ➤ हरित आवरण का संवर्धन

कार्यक्रम के अनुसार वृक्षारोपण किया जायेगा, रोपण के बाद, सफलता दर के मूल्यांकन के लिए हर मौसम में क्षेत्र की नियमित निगरानी की जाएगी। पौधों की प्रजातियों के चयन में स्थानीय लोगों को भी शामिल किया जाएगा। इससे श्रमिकों व आसपास के ग्रामीणों में हरियाली के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। फलों के पेड़ अपने वित्तीय लाभ में योगदान कर सकते हैं।

### 1.8 नैगमिक पर्यावरण उत्तरदायित्व

#### नैगमिक पर्यावरण उत्तरदायित्व के लिए आवंटित बजट (CER)

	खदान ए-1 (4.00 हेक्टेयर)	खदान ए-2 (1.53 हेक्टेयर)
लगाए जाने वाले पौधों की कुल संख्या	800	550
वृक्षारोपण कार्यक्रम हेतु स्थान	ग्राम पंचायत-बड़े कमेली, तहसील-बड़े बचेली, जिला-दंतेवाड़ा, खसरा नंबर 754, क्षेत्रफल-3.370 हेक्टेयर में वृक्षारोपण कार्यक्रम	ग्राम पंचायत-बड़े कमेली, तहसील-बड़े बचेली, जिला-दंतेवाड़ा, खसरा नंबर 723, क्षेत्रफल-0.810 हेक्टेयर में वृक्षारोपण कार्यक्रम
पूंजी लागत	90,000/-	60,000/-

### 1.9 निष्कर्ष

- खनन प्रचालन पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करेगा;
- सामुदायिक प्रभाव लाभकारी होंगे, क्योंकि परियोजना से क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ उत्पन्न होंगे;
- खनन गतिविधियों के दौरान पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी) के प्रभावी कार्यान्वयन के साथ प्रस्तावित परियोजना पर्यावरण पर किसी भी महत्वपूर्ण नकारात्मक प्रभाव के बिना आगे बढ़ सकती है।

